कह रहे हैं कि कॉर्पोरेटर को भी गिरफ्तार किया है। तो सरकार ने जो एक्शन लेना है, मुंबई पुलिस को जो एक्शन लेना है, वह मुंबई पुलिस ले रही है। जहां तक बाला साहब जी को गिरफ्तार करने की बात है, मैं बोलूंगा कि उस से पहले "महानगर" जैसे अखबार को बंद करना चाहिए। वह इसलिए कि एक अखबार का काम करने का जो तरीका होता है, उस की जो नीति होती है, उस नीति का वह अखबार पालन नहीं करता है। उस अखबार के एडीटर का एक ही मकसद होता है कि किसी तरह शिव सेना को डैमेज किया जाए। शिव सेना प्रमुख के ऊपर ऊल-जलूल आरोप लगाए जाएं। मैडम, ऐसे आरोप कभी उन्होंने राजीव गांधी की पत्नी श्रीमती सोनिया गांधी के ऊपर भी लगाये थे और उस के बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी। अब इसी तरह का आरोप उन्होंने हमारे माननीय शिव सेना प्रमुख बाल ठाकरे के ऊपर लगाया है। धन्यवाद।

उपसभापति: अब यही बात आप शांति से कहते तो इतना झगड़ा नहीं होता और हाउस का समय भी जाया नहीं होता ...**(व्यवधान)** ... अखबार बंद किया जाए, खोला जाए, यह काम हमारा नहीं है और न ही इस पर कुछ डिस्कशन होगा। ...**(व्यवधान)** ...

श्री मोहम्मद सलीम: A wrong message should not go out. कोई अखबार अगर गलत खबर छापता है तो उस के लिए भी हमारे संविधान में, कानून में कुछ बंदोबस्त है। उस का मतलब यह नहीं है कि उस पर हमला करें। हाउस में यह बात होती है तो गलत मैसेज जाता है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is exactly what I am saying. To decide whether a newspaper should be permitted or should not be permitted, we have a procedure in this country. If a newspaper makes a wrong statement, you have a lawyer who is a Member of your party and he will support you and me too. There is a procedure laid down for it. You do not have to fight the editor. आपके अखबार से कुछ खबर आती तो आप के अखबार से भी सब लोग लड़ते। तो आप भी अखबार के एडीटर हैं और उस का जो एक प्रोसीजर है वह एप्लाई करना चाहिए। चौधरी चुन्नी लाल।

श्री वसीम अहमद: मैडम, एक बात...

उपसभापति: अब कोई बात नहीं। यह मामला खत्म हो गया। वसीम साहब आपको कहीं जाना था? अब आप जाइए। मैं ने आप का एपाइंटमेंट याद दिलाया।

RE: NON-PAYMENT OF SALARIES TO TEACHERS IN UTTAR PRADESH

चौधरी चुन्नी लाल (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदया, उत्तर प्रदेश में प्राइमरी पाठशालाओं के लगभग 5 लाख शिक्षक हैं। गत वर्ष पूरे प्रदेश में लगभग 25 हजार शिक्षकों का चयन हुआ और नियुक्तियां हुईं। ये नियुक्तियां फरवरी, 1996 तक पूरी कर ली गयीं, लेकिन फरवरी से आज तक इन 25 हजार शिक्षकों को वेतन नहीं मिल रहा है और ये भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। महोदया, इन 25 हजार शिक्षकों में लगभग 6 हजार शिक्षक दलित वर्ग के हैं जिन के पास एक बीघा भी खेती योग्य भूमि नहीं है और कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी उनकी और उन के बच्चों की जीविका की नहीं है। जून, 1995 में जो शिक्षक रिटायर हो गए हैं, उनको रिटायर हुए डेढ़ साल हो गया, लेकिन उनको पेंशन भी नहीं मिल रही है। इसी तरह इनका जी०पी०एफ० भी वर्षों से कटता आ रहा है, जिसका कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं है। उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ पिछले 6 माह से उत्तर प्रदेश सरकार को प्रतिवेदन देती आ रही है, मगर आज तक उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके प्रतिवेदन का न तो निस्तारण किया और न ही उनकी समस्याओं का कोई हल निकाला है।

मैडम, शीघ्र ही त्यौहार आ रहे हैं और अगर यही स्थिति बनी रही तो उनके बच्चे त्यौहार भी नहीं मना पाएंगे। अतः मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अपील करता हूं कि शीघ्रातिशीघ्र इन शिक्षकगण की, जो अल्प-वेतन भोगी हैं, उनकी इन समस्याओं को हल कराएं, अति कृपा होगी। धन्यवाद।

RE: KILLING OF FIVE DALIT PERSONS OF A FAMILY IN BHOJPUR, BIHAR

श्री जलालुद्दीन अंसारी (बिहार): मैडम, बिहार के भोजपुर जिला में खनेट गांव दलितों का एक छोटा सा टोला है, जिसको कहते हैं मुसेहद टोला, इसमें हमारे राज्य के मुसेहद जाति के लोग, जो सबसे गरीब दलित हैं, हरिजन हैं, वह रहते हैं। उस खनेट टोला पर 12 तारीख की रात को एक हथियारबंद गिरोह आया और वहां उन गरीबों को गोलियों से भून डाला, जिसमें दे